(i) Two Hundred Seventy Second Report on Action Taken by the Government on the Recommendations/Observations of the Committee contained in its Two Hundred and Thirty Sixth Report on 'Infrastructure Lending in Road Sector';

(ii) Two Hundred Seventy Third Report on Action Taken by the Government on the Recommendations/Observations of the Committee contained in its Two Hundred and Sixty Second Report on 'Development of Buddhist Circuit in India'; and

(iii) Two Hundred Seventy Fourth Report on Action Taken by the Government on the Recommendations/Observations of the Committee contained in its Two Hundred and Seventy First Report on 'Fellowships, Scholarships, Grants, Pensions and Schemes administered by the Ministry of Culture'.

STATEMENT BY MINISTER

Status of implementation of recommendations contained in the Twenty-eight Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Defence

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SHRIPAD YESSO NAIK): Sir, I lay a statement regarding Status of implementation of recommendations contained in the Twenty-eighth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Defence on 'General Defence Budget, BRO, ICG, MES, CSD, DGDE, DPSUs, Welfare of Ex-Servicemen, Defence Pension and ECHS (Demand No. 19 and 22)' pertaining to the Ministry of Defence.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, Shri Elamaram Kareem, Shri Binoy Viswam and Shri Husain Dalwai, have given notices for Zero Hour. I suggest them to apply their minds seriously and give notices on subjects which can be taken up under Rule 267. It should not become a regular habit of giving notice so that you can get an opportunity. I will not allow it. These subjects are already covered under other provisions of the Rules of the House. Hence, I disallow them.

Now, I am taking up Matters raised with the permission of the Chair, that is, Zero Hour; Shri Vijay Goel. As the House has already expressed its condolence on this important issue, I would request the hon. Members to just make a mention and give

your suggestion. Don't get involved in accusing this Government or that Government. This will not serve the purpose. Please understand it.

Loss of lives in fire at Anaj Mandi, Delhi

श्री विजय गोयल (राजस्थान): सभापति महोदय, कल प्रातः दिल्ली के रानी झाँसी रोड पर फिल्मिस्तान के पास अनाज मंडी में जो आग लगी, उसमें 43 लोगों की जान जाना बहुत दुखदायी है। उसमें 43 लोगों की ही जान नही गई है, बल्कि और जो 20 लोग जले हैं, वे भी मरे समान ही हैं, इस बात को समझिए, क्योंकि उनका जीवन और ज्यादा जोखिम में है। हम सबने शोक व्यक्त किया है, लेकिन मैं सबसे पहले फायर ब्रिगेड के उन 50 फायर फाइटर्स और पुलिस का अभिनन्दन करना चाहता हूँ, जिन्होंने मौके पर जाकर 60 से ज्यादा लोगों को बचा लिया।

महोदय, मैं यह नही कहना चाहता हूँ कि किसकी गलती है और किसकी गलती नही है और मुझे यह भी मालूम है कि इससे हम कोई भी सबक नही सीखेंगे। यह इसलिए मालूम है, क्योंकि आज दिल्ली आग के मुहाने पर खड़ी है और उपहार सिनेमा अग्नि कांड को बीस साल हो गए, पर हमने उससे कुछ सीख नही ली। ओखला, नरेला, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, ऐसे बहुत सारे इलाके हैं, जहाँ पहले भी आग लगी थी। मैं बताना चाहता हूँ कि दिल्ली में जगह-जगह पर इस तरह की illegal buildings बनी हुई हैं, जिनमें illegal तरीके से फैक्ट्रियाँ चल रही हैं। ...**(व्यवधान)**...

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, he is talking politics. Who has not learnt?

MR. CHAIRMAN: Mr. Rangarajan, what are you doing? ...*(Interruptions)*... Mr. Rangarajan, I have to caution you. You stood up on your own and you are speaking to the Member.

SHRI T.K. RANGARAJAN: Sir, you said...

MR. CHAIRMAN: So, if I say something, you will also say something! Then, you should take over the Chair.

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): He is supporting the Chair.

MR. CHAIRMAN: It is not his duty. There is the Chairman, who is duty-minded. If this is the practice, then, let everybody talk to each other. This is such an important issue. He has not mentioned any political party. The moment he mentions some party or some Government, I am there to take care of it. I have already forewarned the Members. I feel very sorry.

SHRI ANAND SHARMA: These things do happen.

MR. CHAIRMAN: This should not happen, Anandji. You are a very experienced Member.

श्री विजय गोयल: सर, जगह-जगह illegal buildings हैं, उनमें छोटे-छोटे लोग फैक्ट्रियाँ चला रहे हैं। अगर हमारे यहाँ एक कमरे में 50 लोगों के रहने की जगह है और वहाँ 500 लोगों को आना है, तो सरकार को ये व्यवस्थाएं करनी पड़ेंगी। अगर व्यवस्थाएं नही करेंगे, तो आने वाले समय में दिल्ली का क्या हाल हो जाएगा, इसका अंदाजा आप लगा सकते हैं। सर, एक मजिस्ट्रेट जाँच या दस-दस लाख के मुआवजे से कुछ नही होगा, बल्कि हमें असल में इसके लिए मिलकर काम करना पड़ेगा, नही तो समझ लीजिए कि बहुत incidents होंगे। मैं आपको सिर्फ एक बात बताना चाहता हूँ कि आज चाँदनी चौक में आधी से ज्यादा बिल्डिंगें खतरनाक हैं और आधे चांदनी चौक में बिल्डिंगें टूटकर मलबा पड़ा हुआ है और वह उठ नही रहा है। ...**(व्यवधान)**... मैं किसी पार्टी, किसी सरकार को इसलिए ब्लेम नही कर रहा हूँ, क्योंकि मुझे पहले ही सभापति जी ने कहा है, पर हमें यह सोचना ही पड़ेगा कि हममें से कौन जिम्मेदार है? आने वाले समय में ऐसी आग न लगे और नुकसान न हो, इसके लिए हमें क्या करना है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

PROF. M.V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

LT. GEN. (DR.) D.P. VATS (RETD.) (Haryana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI V. VIJAYASAI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI RAJEEV CHANDRASEKHAR (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI G.V.L. NARASIMHA RAO (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI GOPAL NARAYAN SINGH (Bihar): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI K.G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

DR. BANDA PRAKASH (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI JOSE K. MANI (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vijay Goel.

श्री विनय दीनू तेंदुलकर (गोवा): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

डा. अनिल अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

डा. विकास महात्मे (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री शिव प्रताप शुक्ल (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री अशोक सिद्धार्थ (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): मान्यवर, अभी जिस विषय का जिक्र विजय गोयल जी ने किया, वह हम सभी के लिए बहुत पीड़ा का विषय है। मान्यवर, 43 लोगों की जानें गईं और वे यहाँ मजदूरी करने आए थे। वे 1000-1200 किलोमीटर दूर से मजदूरी करने के लिए आए थे। वे ऐसी विषम परिस्थितियों में रह रहे थे कि अगर आप उस मौके को देखेंगे, तो आपकी आँखें खुल जाएंगी। बाहर से ताला बन्द, अन्दर ventilation का कोई सिस्टम नही,

[श्री संजय सिंह]

चारों तरफ से पैक, वही मीटर लगा हुआ है, वही शॉर्ट सर्किट हुआ। वे लोग भाग भी नही सके, चीखते-चिल्लाते रहे। ये किसकी कमियाँ हैं, अगर इस पर जिक्र करने लग जाएंगे, तो बात दूसरी दिशा में चली जाएगी। मैं हाथ जोड़कर निवेदन करता हूँ कि इसमें राजनीति मत कीजिए। हम सब लोग मिलकर, एमसीडी की क्या जिम्मेदारी है, दिल्ली सरकार की क्या जिम्मेदारी है, डीडीए की क्या जिम्मेदारी है, चलिए बैठते हैं, मिलते हैं, तय करते हैं और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करके भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए पहल करते हैं।

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री मोहम्मद अली खान (आंध्र प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

†**جناب محمد علی خان (آندھرا پردیش)** : مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبدّھ کرتا ہوں۔

श्रीमती रूपा गांगुली (नाम निर्देशित): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRIMATI AMBIKA SONI (Punjab): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

PROF. M.V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

---

†Transliteration in Urdu script.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRI B. LINGAIAH YADAV (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRI RAJEEV CHANDRASEKHAR (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRI K.G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

DR. BANDA PRAKASH (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Sanjay Singh.

MR. CHAIRMAN: Shri Binoy Viswam, you want to associate! You may associate in one line.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, only one sentence. Sir, in this country, the lives of poor people have become a matter of no value. Day by day, there are these people, dying in fire, firing, etc. Sir, the Government can accuse each other, the parties can accuse each other.

MR. CHAIRMAN: What is the point?

SHRI BINOY VISWAM: There should not be a repetition of this. Places where the poor people are living should be a safe place to live. That is the main thing.

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

MR. CHAIRMAN: All the Members who have raised their hands, please send slips so that your names can be included, as you are associating with the issue.

Need to set up an Ahir Regiment in the Indian Army

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, पौराणिक काल से आज तक, प्रत्येक काल में अहीर जाति का शस्त्रों, साहस, शौर्य तथा सेना के साथ अटूट संबंध रहा है। मान्यवर, करनाल, पानीपत, बर्मा युद्ध से लेकर 1948, 1962, 1965 और 1999 के कारगिल युद्ध तक, पाकिस्तान व चीन के साथ सभी युद्धों में अहीरों ने अपनी बहादुरी से सदैव स्वर्णिम गाथाएं लिखी हैं। आजादी से पूर्व अहीर योद्धाओं द्वारा विदेशी सल्तनतों के खिलाफ सदैव विद्रोही तेवर अपनाने के कारण से अहीर रेजिमेंट की 100 वर्ष पुरानी माँग को सदैव ठुकराया गया। महोदय, भारतीय सेना में जाति व क्षेत्रों के नाम से तीस से अधिक रेजिमेंट्स हैं। राजपूत, जाट, सिख, मराठा, महार, डोगरा, कुमाऊं, गढ़वाल, मद्रास आदि के नाम से रेजिमेंट्स हैं, परंतु अहीरों के नाम से नही हैं। महोदय, अहीरों में सेना में भर्ती को लेकर विशेष प्रकार का जुनून होता है और देश में शायद ही अहीरों का ऐसा कोई गाँव होगा, जहाँ दो-चार अहीर नौजवान सेना में न हों। सन् 1962 में चीन के साथ रेजांगला के युद्ध में भारतीय जवानों ने जिस साहस व वीरता की विश्वविख्यात अमर गाथा लिखी, उसकी मिसाल दुनिया में दी जाएगी।

मान्यवर, रेजांगला के युद्ध में 14 कुमायूँ बटालियन के 120 जवानों में से 114 जवान शहीद हुए थे और उन्होंने शहीद होने से पहले 1,300 चीनी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। इस असाधारण वीरता के लिए इस कम्पनी के एक अधिकारी को परमवीर चक्र, आठ जवानों को सेना मेडल, एक जवान को मेंशन इन डिस्पैच और एक कमाडिंग ऑफिसर को एवीएसएफ सम्मान से अलंकृत किया गया था। भारतीय सेना के इतिहास में किसी एक कम्पनी को एक युद्ध में ये सर्वाधिक पुरस्कार थे और इनमें से एक-दो को छोड़कर, बाकी सब अहीर, यानी यादव समुदाय के भारत माता के सपूत थे।

परन्तु, दुर्भाग्य से स्वर-साम्राज्ञी लता मंगेशकर जी ने शहीदों की याद में जो "ऐ मेरे वतन के लोगों" गीत गाया, उसमें "कोई सिख, कोई जाट-मराठा, कोई मद्रासी" तो थे, परन्तु उसमें अहीरों का नाम नही था। इसका कारण केवल अहीर रेजीमेंट का न होना ही था। इसके कारण अहीर समाज आहत है और आन्दोलित है।

अत: मैं सदन के और आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी व सरकार से अहीर अथवा अहीरवाल नाम से रेजीमेंट गठित करने की माँग करता हूँ। इसके लिए अहीर समाज माननीय प्रधान मंत्री जी का सदैव आभारी रहेगा। जय हिन्द, जय भारत!

MR. CHAIRMAN: Please send the slips for associations.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।